आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 45 | उज्जैन, रविवार 05 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

डिजिटल क्रांति से सुशासन की ओर अग्रसर होता मध्यप्रदेश

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रशासनिक कार्यवाही और प्रक्रिया को जन-हितैषी, पारदर्शी बनाने पर जोर देते हैं। उनकी प्रेरणा से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रशासन में डिजिटल नवाचारों के साथ सुशासन के नए युग में प्रवेश कर रही है। प्रदेश सरकार ने प्रशासन में दक्षता, पारदर्शिता और नागरिकों की सहभागिता को बढ़ाने के लिए कई नवाचार किए हैं, इनसे प्रशासनिक तंत्र को आधुनिक और लोकसेवा को बेहतर बनाया जा सकेगा।

ई-ऑफिस प्रणाली की हुई शुरूआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष-2025 के शुभारंभ के साथ ही 1 जनवरी को ई-ऑफिस सिस्टम का भी शुभारंभ किया। इस डिजिटल नवाचार से प्रशासन को सुशासन के मार्ग पर चलाने की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। ई-ऑफिस सिस्टम प्रशासनिक प्रबंधन को पेपरलेस बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही इस डिजिटल प्रणाली से प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा, दस्तावेज़ों के खोने के जोखिम खत्म होगा और लोकसेवा की प्रक्रिया तीव्र हो जाएगी। डिजिटल फाइलिंग से विभागों में पारदर्शिता बढ़ेगी साथ ही आवश्यकतानुसार फाइलों की समय पर उपलब्धि सुनिश्चित हो सकेगी। आम नागरिक भी अब सरकारी प्रक्रियाओं को आसानी से ट्रैक कर सकेंगे और सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, इससे सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ेगा। मध्यप्रदेश सरकार की यह पहल दूसरे राज्यों के लिए मिसाल बनेगी।

संपदा 2.0 से संपत्ति रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में आई सरलता

ई-ऑफिस सिस्टम के अलावा, मध्यप्रदेश सरकार ने कई अन्य महत्वपूर्ण नवाचार भी किए हैं, जिनमें संपदा 2.0 प्रणाली भी शामिल है। संपदा 2.0 प्रणाली संपत्ति लेनदेन के लिए ई-रजिस्ट्रेशन और ई-स्टाम्पिंग की सुविधा प्रदान करती है, इससे प्रक्रिया और भी तेज और सुविधाजनक हो जाती है। इस पहल से नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, साथ ही रजिस्ट्रेशन में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्व महाभियान चलाया, इसका उद्देश्य दो चरणों में 80 लाख से अधिक लंबित राजस्व प्रकरणों का निष्पादन करना है। इस अभियान के अंतर्गत नामांतरण, भूमि बंटवारा, अभिलेख सुधार और नक्शा संशोधन जैसे मुद्दों को हल किया गया। तीन चरणों में चले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का समाधान निकालना था ।

मणिपुर के कांगपोकपी में भीड़ ने एसपी ऑफिस पर किया हमला, पुलिस के वाहन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में शुक्रवार शाम को भीड़ ने एसपी आफिस पर हमला कर दिया। हमले में पुलिस अधीक्षक मनोज प्रभाकर समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, कुकी लोगों की मांग इंफाल पूर्वी जिले की सीमा पर मौजूद गांव सैबोल से सुरक्षाबल को हटाने की है। समुदाय का आरोप है कि एसपी ने केंद्रीय बलों को गांव से बाहर नहीं निकाला है।

कई वाहनों को नुकसान हुआ- दरअसल, सैबोल गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षाबलों ने कथित तौर पर महिलाओं पर लाठीचार्ज किया था। इसके विरोध में कुकी संगठन के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार शाम को हमलावरों ने गांव में केंद्रीय बलों खासकर बीएसएफ और सीआरपीएफ की लगातार तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए एसपी कार्यालय पर फायरिंग की और पत्थर फेंके। कई वाहनों को नुकसान हुआ है।

कई प्रदर्शनकारी भी घायल हो गए - सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारी भी घायल हो गए हैं। हमले में एसपी कार्यालय के परिसर में रखे जिला पुलिस के वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

अमेरिकी एच-1बी वीजा दोनों देशों के लिए लाभकारी, ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले भारत का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी एच-1बी वीजा पर अमेरिका में जारी बहस के बीच भारत ने शुक्रवार को कहा कि कुशल पेशेवरों की आवाजाही भारत-अमेरिका संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे दोनों देशों को लाभ होता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका में एच-1बी वीजा पर चर्चा के बारे में पूछे जाने पर कहा, दोनों देशों के बीच मजबूत एवं बढ़ती आर्थिक व तकनीकी साझेदारी है और इस दायरे में कुशल पेशेवरों की गतिशीलता महत्वपूर्ण घटक है।

भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को होता है फायदा

उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को कुशल पेशेवरों की ओर से प्रदान की गई तकनीकी विशेषज्ञता से बहुत लाभ होता है और दोनों पक्ष अपनी ताकत व प्रतिस्पर्धी मूल्य का फायदा उठाते हैं। हम भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को और गहरा करने की आशा करते हैं जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हैं।

यमन में मौत की सजा प्राप्त भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के संदर्भ में जायसवाल ने कहा, हम निमिषा प्रिया की सजा से जुड़े घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहे हैं।

न्यूक्लियर साइंटिस्ट आर चिदंबरम का निधन, पोखरण परमाणु परिक्षण में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम का निधन हो गया। वह 88 साल के थे, उन्होंने 1975 और 1998 के परमाणु परिक्षणों में अहम रोल प्ले किया। परमाणु ऊर्जा विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

अधिकारी ने बताया कि परमाणु हथियार कार्यक्रम से भी जुड़े रहे चिदंबरम ने सुबह तीन बजकर 20 मिनट पर मुंबई के जसलोक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उन्होंने परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में कार्य किया था। चिदंबरम को 1975 और 1999 में पद्म श्री और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव के रूप में किया काम- पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। एक वैज्ञानिक के रूप में अपने करियर में, डॉ. चिदंबरम ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के निदेशक, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव के रूप में काम किया। वह 1994-95 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष थे।

डॉ. चिदम्बरम भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे थे। डॉ. चिदम्बरम ने भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई - पोखरण-I (1975) और पोखरण-II (1998) के लिए परीक्षण तैयारी की।

पाकिस्तान के सुझाव पर भारत का करारा जवाब, पड़ोसी देश को दिलाई आतंकवाद की याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ संबंधों में सुधार को लेकर पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार की टिप्पणी ताली एक हाथ से नहीं बजती (इट टेक्स टू टू टैंगो) पर भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के संदर्भ में प्रासंगिक टी शब्द टेरोरिज्म (आतंकवाद) है।

इशाक डार ने गुरुवार को इस्लामाबाद में पत्रकारों से बातचीत में भारत से दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का अनुरोध किया था और कहा था कि ताली एक हाथ से नहीं बजती। अगर भारत की तरफ से सद्भावना है, तो पाकिस्तान तैयार है। लेकिन यह दोनों तरफ से होना चाहिए। भारत के साथ पाकिस्तान के व्यापार संबंधों पर डार का कहना था कि संबंधों में सुधार में मदद के लिए माहौल बनाने की जरूरत है।

भारतीय विदेश मंत्रालय अफवाहों पर लगाया विराम- भारतीय विदेश मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया जिसमें पाकिस्तान में कई हत्याओं में भारत का हाथ बताया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ऐसा लगता है कि अखबार और रिपोर्टर दोनों ही भारत के प्रति शत्रुता रखते हैं। आप उनकी गतिविधियों में एक पैटर्न देख सकते हैं। मैं उनकी विश्वसनीयता का आकलन आप पर छोड़ता हूं। जहां तक हमारा सवाल है, उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं है। कहा, पाकिस्तान के बारे में मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि हिलेरी क्लिंटन ने क्या कहा था।

रिश्ते सुधरने से पहले आई दरार, भारत की दो टूक- लद्दाख में चीन का गैरकानूनी कब्जा बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अक्टूबर, 2024 में ही हुई मुलाकात में भारत व चीन के रिश्तों को पटरी पर लाने की सहमति बनी और तीन महीने भी नहीं हुए इस सहमति के दरकने के संकेत मिलने लगे हैं।

पहले चीन की तरफ से अपने क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र के निर्गम स्थल पर 137 अरब डॉलर की लागत से एक विशाल बांध बनाने की घोषणा की और फिर भारत के क्षेत्र लद्दाख से जुड़े पर गैर कानूनी तरीके से कब्जा जमाये होतान प्रांत में दो नये राज्य बनाने की घोषणा कर दी।

ईरानी उप विदेश मंत्री से मिले एस जयशंकर, चाबहार बंदरगाह के विकास को लेकर भारत-ईरान ने किया मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चाबहार बंदरगाह को मिलकर विकसित करने को लेकर भारत और ईरान ने शुक्रवार को मंथन किया। दिल्ली में आयोजित भारत-ईरान विदेश कार्यालय परामर्श बैठक में दोनों देशों ने व्यापार और आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के तरीकों और कृषि और कुछ अन्य क्षेत्रों में सहयोग सहित द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की।

बताया जा रहा है कि ईरान ने नई दिल्ली से ईरानी कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करने की संभावना तलाशने का अनुरोध किया। अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत ने 2019 के मध्य में ईरान से कच्चे तेल की खरीद बंद कर दी।

रवांची ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की- वार्ता में ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने किया, जबकि भारतीय पक्ष का नेतृत्व विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने किया। रवांची ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की।

जयशंकर ने एक्स पर किया पोस्ट - जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया, हमारे द्विपक्षीय संबंधों, चाबहार बंदरगाह में प्रगति और क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की। विश्वास है कि विदेश कार्यालय परामर्श हमारी साझेदारी को गति देगा। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित, चाबहार बंदरगाह कनेक्टिविटी और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईरान द्वारा विकसित किया जा रहा है।

इन मुद्दों पर भी हुई बातचीत- विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों नेचाबहार बंदरगाह, कृषि सहयोग, व्यापार और आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ सांस्कृतिक संबंधों सहित द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। अफगानिस्तान, पश्चिम एशिया की स्थिति सहित वर्तमान क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स और एससीओ सहित बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

गाजा में नहीं थम रहा इजरायली सेना का कहर, हवाई हमले में अब 24 फलस्तीनियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने गाजा में फिर से हमले तेज कर दिए हैं। इजरायली युद्धक विमानों ने गाजा पट्टी पर ताजा हवाई हमले किए, जिसमें कम से कम 24 फलस्तीनी मारे गए। साथ ही इजरायली सेना ने चेतावनी दी कि वह उत्तरी गाजा में एक अस्पताल पर बमबारी करेगी।

गाजा की नागरिक सुरक्षा ने एक बयान में कहा, गाजा शहर के पूर्व में अल-शुजाइया पड़ोस के अल-सैयद अली क्षेत्र में फलस्तीनियों के एक समूह को निशाना बनाकर हवाई हमले किए गए, जिसमें चार बच्चों और एक महिला सहित सात लोगों की मौत हो गई।

तीन बच्चों सहित 5 शव बरामद- समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा शहर के पश्चिम में अल-शिफा अस्पताल के प्रवेश द्वार के पास हवाई हमले में पांच लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए।

इस बीच, अल-अहली अरब अस्पताल ने इसकी पुष्टि की। गाजा शहर के पश्चिम में अल-नस्र स्ट्रीट पर हवाई हमले में मारे गए पांच लोगों के शव मिले। पैरामेडिक्स ने कहा कि मेडिकल टीमों ने बाद में अल-जिटौन और अल-सबरा इलाकों में हवाई हमलों के बाद तीन बच्चों सहित पांच और शव बरामद किए। मध्य गाजा में, अल-जवैदा शहर में एक इजरायली हमले में एक नागरिक कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई।

अस्पताल को इजरायली सेना का अल्टीमेटम- अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उनके अवशेषों को दीर अल-बलाह के अल-अक्सा अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, उत्तरी गाजा में अल-अवदा अस्पताल ने कहा कि उसे इजरायली सेना से तुरंत खाली करने या बमबारी का सामना करने का अल्टीमेटम मिला है। अस्पताल ने अपने परिसर के आसपास तीव्र तोपखाने गोलाबारी की भी सूचना दी। इजरायली सेना ने इन घटनाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। हालांकि, इजरायली सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसकी वायु सेना ने कमांड सेंटर और नियंत्रण सुविधाओं सहित हमास के 40 ठिकानों पर हमला किया था।

सेना ने हमास पर परिचालन उद्देश्यों के लिए स्कूलों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, इसे गाजा की नागरिक आबादी का ÷निंदनीय शोषण÷ कहा। ये हमले अक्टूबर में दक्षिणी इजरायल पर हमास के घातक हमले के बाद गाजा में इजरायल के चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा हैं।

अमेरिका में नहीं रुक रही गोलीबारी की घटनाएं, अब वाशिंगटन में अंधाधुंध फायरिंग में 4 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। बीती रात भी नॉर्थईस्ट डीसी में गोलीबारी से चार लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। रात करीब 9 बजे हुई इस घटना में तीन पुरुष और एक महिला घायल हो गए।

मेट्रो स्टेशन के पास हुई गोलीबारी

मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग (एमपीडी) के अनुसार, हमले के बाद सभी पीड़ित होश में थे और सांस ले रहे थे। गोलीबारी हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई,

जो नोमा-गैलाउडेट यू न्यूयॉर्क एवेन्यू मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट की दूरी पर है।

घायल पीड़ितों में से दो को अस्पताल भर्ती कराया गया, जबकि दो खुद ही पास के अस्पताल में चले गए। पुलिस ने कहा कि पीड़ितों की स्थिति अभी स्थिर है।

पीड़ितों की नहीं हुई पहचान- पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद आसपास के लोगों में चिंता पैदा हो गई और वो भागने लगे थे। इस जगह पर आमतौर पर भीड़भाड़ रहती है, लेकिन इसे अब खाली करा लिया गया है। पुलिस के जासूस सबूत इकट्ठा करने और संभावित गवाहों की पहचान करने पर काम कर रहे हैं।

WUSA9 की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने अभी तक पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की है, न ही संदिग्धों या उद्देश्यों के बारे में कोई जानकारी दी है।

चार दिनों में चौथा हमला- चार दिनों से अमेरिका में लगातार हमले हो रहे हैं। इससे पहले न्यूयॉर्क के क्वींस में एक नाइट क्लब में अंधाधुंध गोलीबारी हुई थी, जिसमें 11 लोग घायल हो गए थे। जिस नाइट क्लब में यह घटना हुई, उसका नाम अमजूरा नाइट क्लब

भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए तहव्वुर राणा ने चली आखिरी चाल; 26/11 के आरोपी ने दी अजीबोगरीब दलील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा को भारत में लाने का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिकी अदालत ने उसके प्रत्यर्पण पर मुहर लगा दी है। इसी बीच उसके वकील ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से उसे बचाने की आखिरी कोशिश की है।

राणा के वकील ने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर निचली अदालत के फैसले की समीक्षा करने की अपील की है। याचिका में राणा के वकील ने दोहरे खतरे के सिद्धांत का हवाला दिया है। इस सिद्धांत के मुताबिक, किसी अपराधी पर एक ही अपराध के लिए दो बार मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

26/11 हमले का आरोपी है राणा - राणा ने तर्क दिया कि उसे इलिनोइस (शिकागो) की संघीय अदालत में 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले से संबंधित आरोपों पर मुकदमा चलाया गया और बरी कर दिया गया था। अब भारत भी उन्हें आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। हालांकि अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि सरकार यह नहीं मानती कि जिस आचरण के लिए भारत प्रत्यर्पण चाहता है, वह यही मामला है।

ब्रिटेन ने खुफिया लैब में बनाई परमाणु घड़ी, जीपीएस की होगी छुट्टी; युद्ध में इससे बढ़त होगी हासिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन ने एक खुफिया लैब में क्वांटम प्रौद्योगिकी का उपयोग कर ऐसी परमाणु घड़ी बनाई है जिससे ब्रिटेन की सैन्य और निगरानी क्षमता और मजबूत होगी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि यह अभूतपूर्व परमाणु घड़ी सैन्य अभियानों को और अधिक सुरक्षित बनाएगी। रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (डीएसटीएल) में विकसित यह घड़ी जीपीएस तकनीक पर ब्रिटेन की निर्भरता को कम करेगी।

जीपीएस का बनेगी विकल्प- संघर्ष के दौरान जीपीएस के बाधित होने की आशंका रहती है। इस घड़ी से ब्रिटेन की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमता बेहद मजबूत हो जाएगी। परमाणु घड़ी समय मापने के लिए परमाणुओं के कंपन का उपयोग करती है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इसे पांच वर्षों में सैन्य अभियानों में तैनात किया जा सकेगा।

यह घड़ी की सटीकता इतनी बेहतरीन है कि अरबों व र्षों में एक सेकंड से भी कम टाइम लैप्स आएगा। इससे विज्ञानी अभूतपूर्व पैमाने पर समय को मापने में सक्षम होंगे।

अमेरिकी सर्जन जनरल का प्रस्ताव, बोतल पर लिखा जाए शराब से कैंसर का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सर्जन जनरल विवेक मूर्ति ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव दिया कि शराब सेवन कैंसर का एक प्रमुख कारक है और अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए बोतलों पर लेबल में इस चेतावनी को स्पष्ट रूप से अंकित किया जाना चाहिए। उनके इस सुझाव के बाद अमेरिकी और यूरोपीय शराब निर्माताओं के शेयर गिर गए। भारतीय मूल के मूर्ति का यह सुझाव एक अध्ययन के बाद आया, जिसमें पाया गया कि मानव स्वास्थ्य पर शराब सेवन का बुरा प्रभाव पड़ता है।

कैंसर के मामलों में हर वर्ष करीब 20 हजार लोगों की मौत- अमेरिकियों को शराब और कैंसर के बीच जुड़ाव के बारे में बेहतर तरीके से बताया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में अमेरिका में करीब दस लाख कैंसर के मामलों के लिए शराब सेवन जिम्मेदार है। इन मामलों को रोका जा सकता है। शराब संबंधित कैंसर के मामलों में हर वर्ष करीब 20 हजार लोगों की मौत हो जाती है। शराब और बीयर की बोतलों पर पहले से यह चेतावनी लेबल होते हैं कि गर्भवती महिला के शराब सेवन से शिशु के जन्म में समस्या हो सकती है।

अमेरिका ने चीन की इंटीग्रिटी टेक्नोलाजी पर लगाए साइबर सुरक्षा प्रतिबंध- अमेरिका ने शुक्रवार को चीन के इंटीग्रिटी टेक्नोलाजी ग्रुप के विरुद्ध नए साइबर सुरक्षा प्रतिबंध जारी किए। यह कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में शामिल कंपनी है।पश्चिम के अधिकारी पूर्व में कंपनी पर फ्लैक्स टाइफून नामक एक प्रमुख चीनी हैकिंग समूह की मदद करने का आरोप लगा चुके हैं।

चीन की फूड मार्केट में भीषण आग, 8 लोगों की मौत; 15 की हालत गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के उत्तरी शहर झांगजियाकौ में एक फूड मार्केट में भीषण आग लग गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक सरकारी अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि झांगजियाकौ शहर के लिगुआंग बाजार में आग शनिवार दोपहर को लगी और दोपहर 2.00 बजे (0600GMT) तक पूरी तरह से बुझ गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। आग की वजह गैस की बोतलों से लेकर मांस भूनने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चारकोल और छोड़ी गई सिगरेट तक हो सकती हैं, जबकि भूमिगत गैस लाइनों जैसे पुराने बुनियादी ढांचे को भी आग और विस्फोटों के लिए दोषी ठहराया गया है।

हादसे से बाजार में हड़कंप- बीजिंग की सीमा से लगे हेबेई प्रांत में स्थित झांगजियाकौ ने 2022 शीतकालीन ओलंपिक खेलों के दौरान कार्यक्रमों की मेजबानी की। झांगजियाकौ शहर में हुए इस हादसे के कारण बाजार में भारी तबाही मच गई। स्थानीय प्रशासन घटना की जांच कर रहा है और घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। इससे कुछ दिन पहले चीन के झुहाई से एक सड़क हादसे की खबर सामने आई थी। ड्राइवर बेकाबू वाहन लेकर भीड़ में घुस गया था। इस भीषण सड़क हादसे में 35 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 43 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

शेरपा ने कर दिया कमाल, ऑक्सीजन के बिना 14 चोटियों पर चढ़कर रचा इतिहास, अब मिला सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाली रिकॉर्ड बनाने वाले पर्वतारोही मिंगमा जी शेरपा का सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने के बाद घर लौटने पर वीरतापूर्ण स्वागत किया गया। पिछले साल, शेरपा ने पूरक ऑक्सीजन के बिना सभी आठ 8000 मीटर की चोटियों को सफलतापूर्वक फतह करने वाले पहले नेपाली बनने की अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की।

नेपाल के तिब्बती हिस्से की सीमा पर स्थित दोलखा जिले के रोलवालिंग से आने वाले शेरपा ने 4 अक्टूबर को तिब्बत में शीशपांगमा (8,027 मीटर) की चोटी पर चढ़ाई की और पूरक ऑक्सीजन के उपयोग के बिना 8000 मीटर की 14 चोटियों पर चढ़ने वाले नेपाल के पहले पर्वतारोही बन गए।

मिंगमा जी ने पूरक ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना की चढ़ाई

मिंगमा जी ने पूरक ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना 2022 में माउंट धौलागिरी, माउंट कंचनजंगा और माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की। आईएफएमजीए गाइड ने 2021 में मनास्लू, 2019 में गशेरब्रम-II, 2018 में लोत्से और ब्रॉड पीक, 2017 में के2, मकालू और नंगा पर्वत, 2016 में गशेरब्रम-द्वितीय और 2015 में अन्नपूर्णा को बोतलबंद ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना फतह किया।

मिंगमा जी शेरपा ने एएनआई को बताया कि मैं बहुत खुश हूं कि मैं दुनिया भर के सात महाद्वीपों की सभी सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ सका।

इसरो ने फिर किया कमाल, अंतरिक्ष में अंकुरित हुए लोबिया के बीज; सामने आई तस्वीर

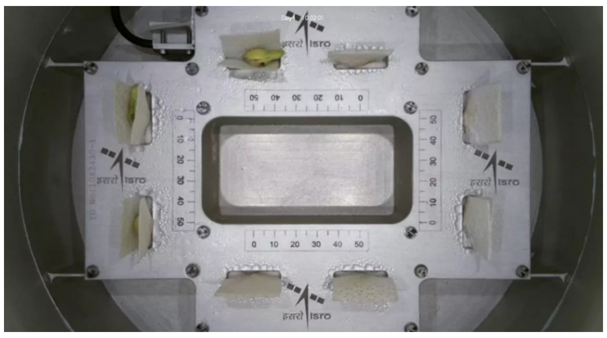

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो ने एक और कमाल कर दिखाया है। अंतरिक्ष में जीवन तलाश रहे वैज्ञानिकों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। अंतरिक्ष में लोबिया के बीजों को अंकुरित किया गया है। उम्मीद है कि जल्द इनमें पत्ते भी निकलेंगे। लोबिया की इन बीजों को स्पेड ङ्क के साथ 30 दिसंबर को PSLV C 60 रॉकेट से भेजा गया था।

इस प्रयोग के जरिए वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि अंतरिक्ष में पौधों को किस तरह उगाया जा सकता है, जिसकी मदद लंबे स्पेस ऑपरेशन्स में मिलेगी।

जल्द बीज से पत्तियां निकलने की उम्मीद

इसरो ने सोशल मीडिया X पर इसकी जानकारी दी है। इसरो ने लिखा, स्पेस में जीवन का आरंभ! VSSC का CROPS (कंपैक्ट रिसर्च मॉड्यूल फॉर ऑर्बिटल प्लांट स्टडीज) प्रयोग PSLV-C60 POEM-4 पर सफलतापूर्वक हुआ। चार दिन में लोबिया के बीजों में हुआ अंकुरण, पत्तियां जल्द ही निकलने की उम्मीद।'

स्पेडेसक्स के साथ रिसर्च और डेवलपमेंट से जुड़े 24 पेलोड भी भेजे गए हैं।

क्या है SpaDeX मिशन- इसरो ने SpaDeX मिशन के तहत 229 टन वजन के पीएसएलवी रॉकेट से दो छोटे उपग्रहों को प्रक्षेपित किया है। ये उपग्रह 470 किलोमीटर की ऊंचाई पर डॉकिंग और अनडॉकिंग करेंगे। ISRO के अधिकारियों के अनुसार, इस मिशन की सक्सेस भारत के आगामी मिशनों चंद्रयान-4, खुद का स्पेस स्टेशन और चांद पर भारतीय यात्री का पैर रखना जैसे सपनों को साकार करेगी।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, 6 लोगों की मौत; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के सत्तूर इलाके में एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। अग्निशमन एवं बचाव विभाग के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। आगे की जांच जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक, फैक्ट्री से अब तक 6 शव बरामद हो चुके हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

अग्निशमन विभाग ने सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की,वर्तमान में बचाव कार्य में लगा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच चल रही है और दुर्घटनास्थल की बारीकी से जांच की जा रही है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हाल ही में विरुधुनगर जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने पटाखा फैक्ट्री मालिकों से ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करने का आग्रह किया।

सीएम स्टालिन ने श्रमिकों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि उन्होंने फैक्ट्री मालिकों को सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निरीक्षण और आश्वासन के बावजूद जिले में ऐसी घटनाएं बंद नहीं हो रही हैं।

विरुधुनगर, विशेष रूप से शिवकाशी को तमिलनाडु की आतिशबाजी राजधानी के रूप में जाना जाता है।

भाजपा वह माचिस है जिसने मणिपुर को जला दिया, खरगे बोले- पीएम मोदी दोष से बच नहीं सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य में ताजा हिंसा भड़कने के बाद कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री राजधर्म का पालन नहीं करने के संवैधानिक दोष से बच नहीं सकते हैं।

मणिपुर को जलाने के पीछे भाजपा का स्वार्थ- एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मणिपुर को जलाने के पीछे भाजपा का स्वार्थ है।

खरगे ने कहा कि हाल ही में ताजा हिंसा देखी गई जब भीड़ ने कांगपोकपी जिले के पुलिस अधीक्षक पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप वे घायल हो गए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, आपके अक्षम मुख्यमंत्री ने खेद व्यक्त किया है, लेकिन राज्य में आपकी अनुपस्थिति को सुविधाजनक ढंग से उजागर किया है।

पीएम पर साधा निशाना- खरगे ने दावा किया कि भाजपा के पास मणिपुर को जलाने के लिए निहित स्वार्थ हैं, जिसमें 250 से अधिक निर्दोष लोगों की मौत हुई हैं और 60,000 लोग विस्थापित हुए हैं। लोग अभी भी 20 महीनों से शिविरों में रह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करना केंद्र और राज्य सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

रिजिजू ने अजमेर दरगाह पर चढ़ाई पीएम मोदी की चादर, बोले- देश में अच्छा माहौल चाहते हैं

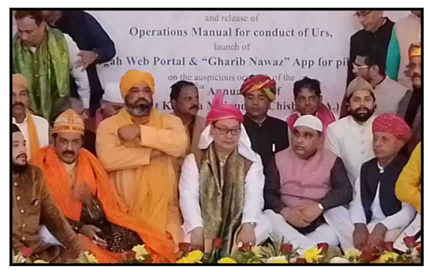

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से चादर लेकर अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचे हैं। पूरी दुनिया में भाईचारे इंसानियत और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए विख्यात राजस्थान के अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 813 वें सालाना उर्स के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चादर पेश की गई।

यहां सर्किट हाउस में अजमेर के भाजपा नेताओं की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। अजमेर की दरगाह में भी दरगाह कमेटी और खादिमों की संस्थाएं अंजुमन की ओर से भी प्रधानमंत्री की भेजी चादर का स्वागत किए जाने का एक दिन पूर्व ही पदाधिकारियों ने एलान किया था। उधर, राष्ट्रीय हिन्दू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने को लेकर सिविल न्यायालय में दायर वाद पर विवाद कायम बना हुआ है।

7 जनवरी को होगी छठी- हिन्दू सेना के अध्यक्ष और हिन्दू धर्म सभा के पदाधिकारी सेवानिवृत्त न्यायाधीश अजय शर्मा ने दो बार प्रधानमंत्री को उर्स के मौके पर इस बार चादर नहीं भेजने को पत्र लिखा था। इधर, दरगाह में जायरीन की आवक बढ़ने उर्स की रौनक बढ़ने लगी है और दरगाह में उर्स की रसूमात धूमधाम से मनाई जा रही है। जनवरी महीने की 7 तारीख को उर्स की आध्यात्मिक रसूमात के तहत छठी होगी। उस दिन छोटे कुल की रस्म अदा होगी। वहीं 10 जनवरी को बड़े कुल पर दरगाह शरीफ को इत्र, केवड़े व गुलाब जल के छींटे से धोया जाएगा और इसके साथ ही उर्स की धार्मिक औपचारिक समापन हो जाएगा।

देश में सद्भाव कायम रहे- इस बीच उर्स में देश दुनिया के बड़े नामचीन लोगों की ओर से चादर चढ़ाने का सिलसिला जारी है। उर्स के चलते दरगाह सहित पूरे शहर में देश के विभिन्न राज्यों से आए जायरीन की चहल पहल बढ़ गई है और दरगाह में उर्स के तहत मन्नतें मांगने, चादर चढ़ाने और अकीदत के फूल पेश करने का सिलसिला जारी है।

मेट्रो में तस्वीरें खींचना पड़ गया भारी, महिला ने लगवा दिया थाने का चक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक जगहों पर तस्वीरें खींचना लोगों के लिए आम बात है। हम अक्सर भीड़ में लोगों के बीच फोन निकालकर फोटो खींचने लगते हैं, लेकिन ऐसा ही करना बेंगलुरु के एक शख्स को भारी पड़ गया।

दरअसल 30 दिसंबर को एक शख्स बेंगलुरू मेट्रो से सफर कर रहा था। इस दौरान उसने चलती मेट्रो में कुछ तस्वीरें खींचीं। हालांकि, उसका फोटो खींचना एक महिला को अच्छा नहीं लगा। महिला को आपत्ति थी कि वह शख्स बिना अनुमति के लोगों की तस्वीरें खींच रहा था। महिला के अनुसार शख्स के फोन में उसकी भी तस्वीरें शामिल थीं, जिसे उसने हटाने के लिए कहा।

पुलिस से की शिकायत- फोटो खींचने से नाराज महिला ने घटना की शिकायत पुलिस में की। शिकायत पर पुलिस शख्स और महिला दोनों को थाने लेकर गई। इसके बाद शख्स के फोन से तस्वीरें डिलीट करवाई गई और उसे समझाईश देकर छोड़ दिया गया।

घटना की जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने मीडिया को बताया, फोटो में न तो कोई खास तस्वीर थी और न ही वह अश्लील थी। महिला इस मामले को एफआईआर के जरिए आगे नहीं बढ़ाना चाहती थी। वह चाहती थी कि हम डॉक्टर को चेतावनी दें और फोटो डिलीट करवा दें। वह असुरक्षित महसूस कर रही थी, क्योंकि किसी अजनबी ने उसकी फोटो खींची थी। उसने ट्रेन में यात्रा करने वाली महिलाओं की निजता और सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई।

शख्स का दावा- कोई बुरा इरादा नहीं था- पुलिस ने कहा, हमने जांच की कि क्या शख्स ने अपने फोन पर दूसरी महिलाओं की भी फोटो खींची है। कुछ अश्लील वीडियो डाउनलोड किए गए थे, लेकिन वे मामले से संबंधित नहीं थे।

गोलगप्पे बेचने वाले को GST विभाग ने भेजा नोटिस, लाखों में है सालाना कमाई

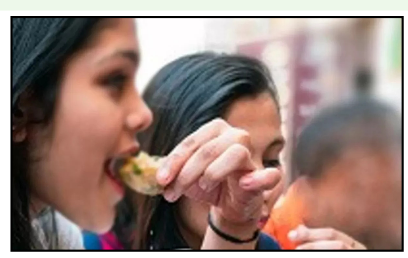

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के एक पानीपुरी विक्रेता की सैलरी ने सबको हैरान कर दिया। खासकर इस मामले ने तूल तब पकड़ा जब पानीपुरी विक्रेता को वस्तु एवं सेवा कर नोटिस भेजा गया है। इसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

17 दिसंबर, 2024 को जारी एक समन का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे तमिलनाडु माल एवं सेवा कर अधिनियम और केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 70 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया था। इसमें गोलगप्पे बेचने वाले को निजी रूप से उपस्थित होने और डॉक्यूमेंट पेश करने के लिए कहा गया है।

समन में क्या कहा गया- रिपोर्ट में दिखाए गए समन में पानी पूरी बेचने वाले को कहा गया है, रेजरपे और फोनपे से मिली रिपोर्टों के आधार पर, आपको गुड्स या सर्विसेज की बाहरी सप्लाई के लिए यूपीआई पेमेंट हासिल हुए हैं और साल 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए मिले पेमेंट नीचे दिए गए हैं। इसमें 2023-24 में आपको 40 लाख रुपये मिले हुए दिखाए गए हैं।

यूजर्स ने दिए ऐसे रिएक्शन- सोशल मीडिया पर यूजर्स ने अनुमान लगाया कि कर-चोरी नोटिस स्ट्रीट फूड व्यवसायों को विकल्प के रूप में ऑनलाइन भुगतान करने से हतोत्साहित करेगा। इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने टिप्पणी की, एक यूजर ने लिखा, सालाना आय 40 लाख रुपये औसत इंजीनियर या प्रोफेसर की आय से अधिक था।

एक एक्स यूजर ने कहा.. 40 लाख रुपये की रकम उसे हासिल हुई है और यह उसकी इनकम हो भी सकती है और नहीं भी।

कचौड़ी बेचने वाले पर भी लगा था आरोप- वहीं इससे पहले भी उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मसालेदार कचौड़ी बेचने वाले एक स्ट्रीट वेंडर पर सालाना 60 लाख रुपये कमाने और कर चोरी करने के आरोप में जीएसटी विभाग ने छापा मारा था।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल षष्ठमी

संपादकीय

जलवायु संकट से निपटने के लिए ठोस कदम की जरूरत

जलवायु संकट से निपटने के लिए ठोस कदम की जरूरत वर्ष 1901 में जब से देश में तापमान का हिसाब रखा जाने लगा, तब से अब तक का सबसे अधिक गर्म वर्ष 2024 रहा। इसमें आश्चर्यचकित करने वाली कोई बात नहीं है लेकिन नीति निर्माताओं को इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि बीसवीं सदी के आरंभ से अब तक के समय में पिछले 15 सालों में से पांच साल सबसे अधिक गर्म रहे।

यकीनन भारत कोई अपवाद नहीं था। विश्व मौसम संगठन ने कहा कि 2024 आधिकारिक रूप से विश्व का सबसे गर्म वर्ष था। इस वर्ष ताप वृद्धि पेरिस समझौते के औद्योगिक युग (1850-1900) के स्तर से 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक की गर्माहट के दायरे को भी पार कर गई। यकीनन पश्चिमी देशों की औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के इसमें योगदान को लेकर काफी कुछ कहा जा चुका है कि कैसे उनकी वजह से कार्बन उत्सर्जन बढ़ा।

इस कारण वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी हुई है और इन देशों ने जलवायु परिवर्तन को अपनाने संबंधी नीतियां बनाने में विकासशील देशों की मदद करने की जिम्मेदारी भी नहीं निभाई। परंतु देश की समस्याओं का मूल है अपनी घरेलू और औद्योगिक जरूरतों के लिए ऊर्जा के स्रोत के रूप में कोयले पर अत्यधिक निर्भरता।

हालांकि भारत इस तथ्य से गर्व महसूस कर सकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा उसकी कुल स्थापित क्षमता में 46.3 फीसदी की हिस्सेदार है लेकिन वास्तविक उत्पादन में उसका योगदान 10 फीसदी से भी कम है। भारत कोयले पर बहुत अधिक निर्भर है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश के कुल ऊर्जा उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 77 फीसदी है। यही कारण है कि वह दुनिया का तीसरा सबसे अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित करने वाला देश बन गया है।

भारत ने 2023 में यूरोपीय संघ को पीछे छोड़ दिया। हालांकि वैश्विक उत्सर्जन में हमारी हिस्सेदारी केवल आठ फीसदी है जो चीन के 31.5 फीसदी और अमेरिका के 13 फीसदी उत्सर्जन से काफी कम है। सौर और पवन ऊर्जा को राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड में शामिल करने की दिक्कत मुख्य रूप से इसलिए हैं कि हमारे पास उपयुक्त भंडारण क्षमता नहीं है।

ऐसा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की भिन्न-भिन्न प्रकृति के कारण है। बिजली खरीद कीमतों की विसंगति भी नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद को जटिल बनाती है। इसके साथ ही देश ?के वनाच्छादित क्षेत्र की भ्रामक तस्वीर भी बताती है कि देश के कार्बन सिंक का आकार शायद बढ़ाचढ़ाकर पेश किया गया है।

इंडिया स्टेट ऑफ द फॉरेस्ट रिपोर्ट (आईएसएफआर) के ताजा संस्करण में कहा गया है कि देश का वन क्षेत्र बढ़ा है और अब देश का करीब 25 फीसदी हिस्सा वनाच्छादित है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप भारत का कार्बन सिंक 2005 के स्तर से 2.29 अरब टन तक अधिक हो गया है।

इस तरह उसने तय अवधि से सात साल पहले ही पेरिस समझौते के तहत की गई प्रतिबद्धता को हासिल कर लिया। यहां दिक्कत यह है कि सरकार पौधरोपण को भी वनों में गिनती है और ऐसे क्षेत्र प्रभावी रूप से कार्बन सिंक का काम नहीं करते हैं क्योंकि उनमें कार्बन का अवशोषण करने की क्षमता नहीं होती।

दूसरी ओर बढ़ता शहरीकरण और औद्योगीकरण है। खराब नियोजन वाला शहरी विस्तार जो वृक्षों को काटने, हरियाली कम करने आदि पर आधारित हैं, और जहां गर्मी से निपटने की उपयुक्त प्रणालियां नहीं हैं, वे देश के शहरों को गर्मियों में रहने लायक नहीं देते। इससे जीवाश्म ईंधन की मदद से ठंडक पाने और गर्मी से निपटने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

परमहंस योगानंद

परमहंस योगानंद एक भारतीय-अमेरिकी हिंदू भिक्षु , योगी और गुरु थे, अपना संगठन, सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप (एसआरएफ) / योगदा सत्संग सोसाइटी (वाईएसएस) ऑफ इंडिया । माध्यम से लाखों लोगों का ध्यान और क्रिया योग से जुड़े संगत - यह एकमात्र ऐसा संगठन था जिसे उन्होंने अपनी शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के लिए बनाया था। योग गुरु स्वामी श्री युक्तेश्वर गिरि के एक प्रमुख शिष्य, उनके राजवंश ने पश्चिम में योग की शिक्षाओं का प्रचार करने के लिए उन्हें भेजा था। उन्होंने 27 वर्ष की आयु में अमेरिका में यात्रा की पूर्वी और पश्चिमी धर्मों के बीच एकता स्थापित करने और पश्चिमी भौतिक विकास और भारतीय आध्यात्मिकता के बीच संतुलन का प्रचार करने के लिए।

योगानंद अमेरिका में बसने वाले पहले भारतीय ग्रिड से थे, और व्हाइट हाउस में (1927 में राष्ट्रपति केल्विन कूलिज द्वारा) शपथ लेने वाले पहले प्रमुख भारतीय थे; उनकी शुरुआती प्रशंसा उन्हें लॉस एंजिल्स टाइम्स ने 20वीं सदी का पहला सुपरस्टार गुरु करार दिया। 1920 में बोस्टन में प्रवेश, उन्होंने 1925 में लॉस एंजिल्स में बसने से पहले एक सफल अंतरमहाद्वीपीय दौरे की शुरुआत की। अगले तीन दशकों तक, उन्होंने स्थानीय प्रतिष्ठा प्राप्त की और अपने प्रभाव का विस्तार किया- उन्होंने एक मठवासी आदेश बनाया और दुनिया भर के शिष्यों को प्रशिक्षित किया, प्रशिक्षण दौरों पर गए, विभिन्न कैलिफ़ोर्निया स्थानों में अपने संगठनों के लिए संपत्तियां बनाईं और हजारों लोगों को क्रिया योग में सिखायागया। उनके सदा जीवन और उच्च विचार सिद्धांतों ने उनके आदर्शों से सभी पृष्ठभूमि के लोगों को आकर्षित किया।

उन्होंने 1946 में अपनी आत्मकथा ए योगी प्रकाशित की, जिसे आलोचनात्मक और व्यावसायिक प्रशंसा मिली। इसके चार मिलियन से अधिक बिकने वाले हैं, हार्पर सैन फ्रांसिस्को ने इसे 20वीं सदी की 100 सर्वश्रेष्ठ दार्शनिक स्कॉलरशिप में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है। पूर्व कलाकार के सीईओ स्टीव जॉब्स ने 500 कॉमेडी सिंगर कीकिताब लिखी, ताकि उनके स्मारक पर आने वाले प्रत्येक अतिथि को एक प्रति दी जाए। यह एल्विस प्रेस्ली की भी पसंदीदा हैविकिपीडिया में से एक थी, और वह इसे बार-बार देती थी। पुस्तक का नियमित रूप से पुनर्मुद्रण किया गया है और इसे लाखों लोगों के जीवन को बदलने वाली पुस्तक के रूप में जाना जाता है । एस फ़्लोरिड्स द्वारा उनके जीवन के बारे में एक आवर्सन, एवेक- द लाइफ ऑफ़ योगानंद, 2016 में रिलीज़ किया गया था।

युवा और शिष्यत्व

योगानंद का जन्म मुकुंद लाल घोष के रूप में गोरखपुर , उत्तर प्रदेश , भारत में एक हिंदू बंगाली कायस्थ परिवार में हुआ था। वे बंगाल-नागपुर रेलवे के उपाध्यक्ष भगवती चरण घोष और ज्ञानप्रभा देवी की आठ संतानों में से चौथी और चार संतानों में से दूसरी थीं। उनके छोटे भाई सानंद के अनुसार, मुकुंद की जागरूकता और आध्यात्मिकता का अनुभव उनके शुरुआती वर्षों से ही सामान्य से बहुत अलग था। उनके पिता की नौकरी की प्रकृति के कारण परिवार को मुकुंद के बचपन के दौरान कई बार प्रवास करना पड़ा, जिसमें लाहौर , राखी और कोलकाता शामिल थे। एक योगी की आत्मकथाके अनुसार , जब उनकी मां की मृत्यु हुई, तब उनके सबसे बड़े भाई अनंत से दस साल पहले विवाह हुआ था; उन्होंने बचपन में ही एक पवित्र ताबीज छोड़ने के लिए अपने पिता दूर-दराज के शहरों और तीर्थ स्थानों के लिए अपने कई दर्शनीय स्थलों के लिए ट्रेन के पास का खर्चा उठाया था, जिसे वे अक्सर दोस्तों के साथ ले जाते थे। अपनी युवा संस्था में उन्होंने भारत के कई हिंदू संतों और संतों की खोज की, जिनमें सोहम टाइगर स्वामी , गंध बाबा और महेंद्रनाथ गुप्ता शामिल थे, ताकि उन्हें अपनी आध्यात्मिक खोज में एक दार्शनिक शिक्षक मिल सके।

हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद, मुकुंद को बंधक बनाकर घर छोड़ दिया गया और वाराणसी के महामंडल आश्रम में शामिल कर लिया गया ; हालाँकि, वे जल्द ही ही ध्यान और ईश्वर-बोध के बजाय शिक्षण कार्य पर ज़ोर देने से सीख गए। उन्होंने सुझाव के लिए प्रार्थना शुरू कर दी; 1910 में, विभिन्न उपभोक्ताओं की खोज लगभग 17 वर्ष की आयु में समाप्त हो गई, वे अपने गुरु, स्वामी श्री युक्तेश्वर गिरि से मिले; उस समय उनकी अच्छी तरह से संरक्षित ताबीज रहस्यमय तरीके से गायब हो गई, जो उनके आध्यात्मिक उद्देश्य को पूरा करने के बाद गायब हो गई। अपनी आत्मकथा में, उन्होंने श्री युक्तेश्वर के साथ अपनी पहली मुलाकात में एक ऐसे उत्सव का वर्णन किया है जो अब तक कई जन्मों से गुजर चुका है।

हम मौन की एकता में प्रवेश कर गए; शब्द सबसे अधिक अलौकिक विशिष्ट कहा गया। गुरु के हृदय से शिष्य तक ध्वनिहीन मंत्रोच्चार के रूप में विकपटता प्रवाहित हुई। अविचल प्रवृत्ति के साथ मुझे लगा कि मेरे गुरु ईश्वर को जानते हैं, और मुझे उनके बारे में पता है पास ले जायेंगे। इस जीवन का अंधकार जन्मपूर्व यादों की एक मिठाई सुबह में खो गई। अतीत, वर्तमान और भविष्य इसका जादुई दृश्य है। यह पहला सूरज नहीं था जो मुझे पवित्र चरणों में मिला था!

वे अगले दस वर्षों (1910-1920) तक श्री युक्तेश्वर के शिष्य के रूप में सेरामपुर और पुरी में अपने आश्रमों में प्रशिक्षण लेते रहे। बाद में श्री युक्तेश्वर ने मुकुंद को उनके वंश के महान गुरु के रूप में बतायामहावतार बाबाजी ने योग प्रचार के एक विशेष विश्व उद्देश्य के लिए अपने पास भेजा था।

1915 में कलकत्ता के स्कॉटिश चर्च कॉलेज से कला में पासपोर्ट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, उन्होंने सेरामपुर कॉलेज से वर्तमान कला स्नातक या बीए (यूएस टाइम एबीसी के रूप में नियुक्त) के साथ समान डिग्री के साथ स्नातक की डिग्री प्राप्त की , इस कॉलेज के दो यूनिट थी, एक सेरामपुर कॉलेज (विश्वविद्यालय) के सीनेट के एक घटक कॉलेज के रूप में और दूसरे कोलकाता विश्वविद्यालय के एक संबद्ध कॉलेज के रूप में। उन्हें श्रीरामपुर में युक्तेश्वर के आश्रम में समय बिताने की अनुमति दी गई।

जुलाई 1915 में, कॉलेज से स्नातक होने के कई सप्ताह बाद, उन्होंने स्वामी के आदेश में पद ग्रहण किया; श्री युक्तेश्वर ने उन्हें अपना नाम प्रतिष्ठित की अनुमति दी- स्वामी योगानंद गिरि। 1917 में, योगानंद ने पश्चिम बंगाल के दिहिका में एक स्कूल की स्थापना के लिए छात्रों को प्रशिक्षित किया, जिन्होंने स्टार्ट-अप कक्षाओं को योग प्रशिक्षण और आध्यात्मिक आदर्शों के साथ जोड़ा । एक साल बाद स्कूल रांची में बदलाव हो गया। स्कूल के पहले छात्रों में से एक उनके सबसे छोटे भाई बिष्णु चरण घोष थे, वहां उन्होंने योग आसन सीखे और बदले में बिक्रम चौधरी को आसन सिखाया। यह स्कूल बाद में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया बन गया, जो योगानंद के अमेरिकी संगठन, सेल्फ-रियलाइजेशन फेलोशिप की भारतीय शाखा थी।

अमेरिका में अध्यापन

उनकी आत्मकथा में, योगानंद डुप्लिकेट हैं कि 1920 में एक दिन जब वे रांची स्कूल में ध्यान कर रहे थे, उन्हें एक दृष्टि प्राप्त हुई- उनके मन की आंखों के सामने बहुत सारे अमेरिकी समुदाय के लोग थे, जो उन्हें संकेत दे रहे थे कि वह जल्द ही हाय अमेरिका जायेंगे। स्कूल के संरक्षक इसके बाद (और अंततः अपने बचपन के मित्र)स्वामी सत्यानंदको), वे कलकत्ता के लिए अशांत हो गये। अगले दिन, उन्हेंअमेरिकन यूनिटेरियन एसोसिएशन से उस वर्ष बोस्टनआयोजित होने वाले धार्मिक उदारवादियों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधि के रूप में सेवा करने का परिचय मिला ।

2 टुकड़ों में शेयर बांट रही यह कंपनी, रिकॉर्ड डेट का ऐलान, प्रमोटर के पास बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी सेक्टर से जुड़ी कंपनी- ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के निदेशक मंडल ने स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। इसके लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट फिक्स कर दिया है। कंपनी ने पात्र शेयरधारकों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए 20 जनवरी 2025 को रिकॉर्ड तिथि निर्धारित की है। 2 टुकड़ों में बंटेगा शेयर - स्मॉल-कैप कंपनी ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के बोर्ड ने 1ः2 अनुपात में स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि ?2 फेस वैल्यू वाले मल्टीबैगर स्मॉल-कैप शेयर के एक इक्विटी शेयर को 2 कंपनी शेयरों में विभाजित किया जाएगा। मतलब ये कि कंपनी एक शेयर को 2 टुकड़ों में बांट रही है। आमतौर पर कंपनियां शेयर को स्प्लिट कर निवेशकों को अट्रैक्ट करती हैं। इस कदम के बाद सस्ती कीमत में शेयर खरीद सकते हैं। शेयर की कीमत - ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयर की बात करें तो 0.97त्न टूटकर 96.08 रुपये पर आ गया है। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 95.35 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। 20 मार्च 2024 को शेयर 46.08 रुपये के निचले स्तर पर था। जुलाई 2024 में इस शेयर की कीमत 261 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई थी। ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर के पास 1.74 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 98.26 फीसदी की है। यह स्मॉल-कैप शेयर भारतीय शेयर बाजार द्वारा कोविड के बाद की रैली में दिए गए मल्टीबैगर में से एक है। हालांकि, पिछले छह महीनों में मल्टीबैगर स्टॉक बेस-बिल्डिंग मोड में रहा है। एक साल में इस स्मॉल-कैप शेयर ने अपने निवेशकों को 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले पांच सालों में इस मल्टीबैगर शेयर ने 750 फीसदी रिटर्न दिया है। शुक्रवार को बाजार का हाल - बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स सकारात्मक शुरुआत के बावजूद 720.60 अंक यानी 0.90 प्रतिशत गिरकर 79,223.11 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 833.98 अंक गिरकर 79,109.73 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 183.90 अंक यानी 0.76 प्रतिशत गिरकर 24,004.75 पर बंद हुआ।

पैसे छापने की मशीन बन गए 15 से कम के ये 7 शेयर, 1 लाख के निवेश बने 11 करोड़ तक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में कई ऐसे स्मॉल-कैप स्टॉक हैं, जिन्होंने सिर्फ चार साल में अपने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न देकर चौंका दिया है। इस दौरान एक लाख का निवेश बढ़कर 11 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। जी हां.. बाजार आंकड़ों के एनालिस्ट से पता चला है कि करीब 7 स्मॉल-कैप शेयरों ने पिछले चार सालों में शानदार रिटर्न दिए हैं, जिससे उनकी फंड- जेनरेट कैपासिटी साबित होती है। ये स्मॉल-कैप स्टॉक जनवरी 2021 से जनवरी 2025 तक 1 लाख पर्सेंट तक बढ़ गए।

डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर- कंपनी के शेयर की कीमत 1 जनवरी को 154.25 रुपये थी। 1 जनवरी 2021 को यह 14 पैसे के भाव पर था। इस दौरान इसमें 110078% की तेजी आई। यानी स्टॉक में 1 लाख रुपये का निवेश अब तक 11 करोड़ रुपये से अधिक होता। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज

रिन्यूएबल एनर्जी के शेयर 1 जनवरी 2021 को 2.74 रुपये के भाव पर थे और इस साल 1 जनवरी को इस शेयर की कीमत 1,409.95 रुपये पर पहुंच गया था। इस दौरान 51,433त्न चढ़ा है। 1 लाख का निवेश 4 साल में 5 करोड़ रुपये से अधिक होता।

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज- 1 जनवरी 2021 को इस शेयर की कीमत सिर्फ 9 पैसे थी। इस साल 1 तारीख को कंपनी के शेयर करीब 30 रुपये पर पहुंच गए थे।

बैंक नीलामी में अब आसानी से खरीद सकेंगे फ्लैट-जमीन और गाड़ी, सरकार ने दी ये खास सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब बैंक की तरफ से होने वाली नीलामी में फ्लैट से लेकर आवासीय व कृषि जमीन के साथ प्लांट व मशीनरी की आसानी से खरीदारी कर सकेंगे। नीलामी प्रक्रिया को आसान एवं सभी के लिए उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को वित्त मंत्रालय का वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम.नागाराजु ने बैंकनेट नामक पोर्टल लॉन्च किया।

इस पोर्टल पर सभी सरकारी बैंक फ्लैट, मकान, जमीन, वाहन, मशीनरी, प्लांट की पूरी जानकारी देंगे। पोर्टल पर जाकर कोई भी व्यक्ति नीलाम होने वाली सभी प्रॉपर्टी की जानकारी लेकर उसमें भाग ले सकता है। अगर कोई दिक्कत महसूस हो रही है तो काल सेंटर को काल भी कर सकता है।

अभी अलग-अलग पोर्टल पर करना पड़ता है सर्च- अभी मकान, फ्लैट व वाहन की खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार के पोर्टल पर जाकर लोग उसे सर्च करते हैं। अब बैंकनेट पोर्टल पर भी इस प्रकार के सर्च कर खरीदारी की जा सकती है। अभी ही बैंकनेट पोर्टल पर देश के विभिन्न स्थानों पर नीलामी के 1,22,500 प्रॉपर्टी की विस्तृत जानकारी अपलोड हो चुकी है। पोर्टल पर प्रॉपर्टी की नीलामी से पहले व नीलामी के साथ नीलामी के बाद की पूरी जानकारी दी जाएगी।

सरकारी बैंक लोन में डिफॉल्टर होने वाले की प्रॉपर्टी, जमीन, प्लांट, मशीनरी, वाहनों की नीलामी पर अपनी रकम वसूलती है। इस काम के लिए बैंक अखबारों में इश्तिहार देकर लोगों को नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हैं।

बैंकनेट पर सभी सरकारी बैंक नीलामी की जानकारी देंगे। इस पोर्टल के लांच होने से बैंक को इस नीलामी में अधिक से अधिक लोग हिस्सा ले सकेंगे और उन्हें अधिक कीमत मिल सकती है। इस पोर्टल पर जाकर खरीदारी करने पर ग्राहकों के साथ किसी धोखाधड़ी की कोई आशंका नहीं रहेगी।

2 के शेयर को खरीदने की मच गई लूट, बोनस शेयर बांटने वाली है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के बीच कुछ पेनी शेयरों को खरीदने की लूट सी मच गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन मयूख डीलट्रेड लिमिटेड के शेयर में 10 फीसदी की तेजी आई और 2.11 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले भाव 2.32 रुपये पर पहुंच गया। जनवरी 2024 में यह शेयर 3.77 रुपये के स्तर तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। वहीं, जुलाई 2024 में शेयर की कीमत 1.19 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। बोनस शेयर दे रही कंपनी - दरअसल, मयूख डीलट्रेड लिमिटेड बोनस शेयर बांटने वाली है। बीते दिनों कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि 3ः5 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी गई है। इसका मतलब है कि पात्र शेयरधारकों को एक रुपये की फेस वैल्यू के प्रत्येक 5 शेयर पर 3 बोनस शेयर दिए जाएंगे। मयूख डीलट्रेड ने कंपनी के बोनस इक्विटी शेयरों के लिए पात्र शेयरधारकों को निर्धारित करने के उद्देश्य से शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025 को रिकॉर्ड डेट फिक्स किया है। शेयरहोल्डिंग पैटर्न की डिटेल - मयूख डीलट्रेड लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 3.11 फीसदी की हिस्सेदारी है।

सोमवार को फोकस में रहेंगे सुजलॉन एनर्जी के शेयर, मिला है नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर फोकस में रहेंगे। इसके पीछे की वजह कंपनी को मिला इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से नोटिस है। कंपनी ने को अहमदाबाद इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 1.01 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि यह डिमांड वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान पीएफ/ईएसआई में कर्मचारी कॉन्ट्रीब्यूशन में देरी से भुगतान से जुड़ा मामला है। सुजलॉन एनर्जी से नोटिस के खिलाफ अपील करने की तैयारी में है। कंपनी को उम्मीद है कि फैसला उनके पक्ष में आएगा। कंपनी को हुआ है 260 करोड़ रुपये का फायदा - इससे पहले सुजलॉन एनर्जी ने बताया था कि वित्त वर्ष 2015-16 और 2016-17 के लिए लगाए गए 260.35 करोड़ रुपये को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने माफ कर दिया। डिपार्टमेंट ने यह फैसला ढ्ढञ्ज के निर्णय के बाद लिया। बता दें, यह पेनाल्टी कंपनी के सितंबर तिमाही के प्रॉफिट से भी अधिक था। पिछला एक महीना कंपनी के निवेशकों के लिए कैसा रहा? - सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में पिछले एक महीने के दौरान 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में बाजार के बंद होने के बाद 1.54 प्रतिशत की गिरावट के बाद 61.96 रुपये के लेवल पर था। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 63 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो लेवल 35.49 रुपये है। बता दें, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 2 साल में 450 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 5 साल में यह स्टॉक 2300 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। सुजलॉन एनर्जी का 52 वीक हाई 84,558.85 करोड़ रुपये का है।

10 टुकड़ों में बंटने जा रहा है शेयर, मिलेंगे 1 शेयर पर 1 शेयर फ्री, रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड ने शेयरों के बंटवारे और बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया दिया है। जोकि इसी महीने है। बता दें, शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएन राठी सिक्योरिटीज के शेयरों का भाव 2.45 प्रतिशत की गिरावट के बाद 266.95 रुपये था। 30 जनवरी से पहले है रिकॉर्ड डेट - इसी हफ्ते कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट के लिए 24 जनवरी 2025 की तारीख रिकॉर्ड डेट घोषित की गई है। बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड ने इससे पहले बताया था कि वो 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो जाएगी।कंपनी ने कहा है कि वो योग्य निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर भी देगी। इसके लिए भी रिकॉर्ड डेट 24 जनवरी 2025 ही है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

लोकायुक्त पुलिस को नहीं मिल रहा सौरभ शर्मा का साथी चेतन गौर

भोपाल । चार जांच एजेंसियों के मोस्ट वांटेड सौरभ शर्मा का पता नहीं चल रहा है। एजेंसियां यह भी पता नहीं कर पाई हैं कि वह दुबई में है या भारत आ गया। उधर, सौरभ शर्मा के खास चेतन गौर का फोन भी बंद बताया जा रहा है।

लोकायुक्त पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि बयान लेने के लिए उसकी तीन दिन से तलाश की जा रही है, पर पता नहीं चल रहा है। इसके पहले आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय में पहुंचकर चेतन अपने बयान दर्ज कर चुका है। सौरभ शर्मा की मां के बयान लिए थे लोकायुक्त पुलिस ने तीन दिन पहले सौरभ की मां उमा शर्मा की बयान लिए थे। उसी दिन से पुलिस चेतन को खोज रही है। पुलिस ने सौरभ शर्मा, उसकी पत्नी दिव्या शर्मा, उमा शर्मा के अतिरिक्त सौरभ के सहयोगी चेतन गौर और

शरद जायसवाल को सम्मन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था।

10 दिन बाद भी इनमें से कोई बयान दर्ज करने के लिए नहीं पहुंचा तो, मामले में लोकायुक्त पुलिस के जांच अधिकारी वीरेंद्र सिंह तीन दिन पहले औचक रूप से सौरभ के घर पहुंच कर उसकी मां उमा से पूछताछ की। बयान के लिए चेतन से भी संपर्क किया, लेकिन उसका फोन बंद था। उसके बाद से पुलिस लगातार उसे तलाश रही है। चेतन के नाम भी करोड़ों की संपत्ति मिली

चेतन से पूछताछ में पुलिस को सौरभ के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती हैं। 18 दिसंबर को सौरभ शर्मा और चेतन गौर के आवास पर लोकायुक्त पुलिस के छापे में चेतन के नाम भी करोड़ों की संपत्ति मिली है। चेतन से पूछताछ कर पुलिस यह पता करना चाहती है कि उसके नाम जो संपत्ति है वह वास्तविक में उसी की है या सौरभ ने उसके नाम बेनामी संपत्ति बनाई थी।

छापे में चेतन के नाम पेट्रोल पंप, फिशरीज का ठेका, ई -7 अरेरा कालोनी में आवास के दस्तावेज मिले थे। जिस कार में 54 किलो सोना और 10 करोड़ रुपये नकद मिले थे वह भी चेतन के नाम ही है।हालांकि, आयकर विभाग को पूछताछ में चेतन ने बताया कि कार का उपयोग सौरभ ही कर रहा था। उल्लेखनीय है कि सौरभ और उसके करीबियों के यहां लोकायुक्त, ईडी और आयकर छापे में लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्ति मिल चुकी है।

सिंगरौली में सेप्टिक टैंक में मिले चार शव, 2 की पहचान, पुलिस ने जताई हत्या की आशंका

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के बरगांव इलाके में सेप्टिक टैंक से चार शव मिले हैं। इनमें से दो शवों की पहचान हो चुकी है, जबकि दो अन्य की शिनाख्त की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। घटना स्थल पर जांच टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है और मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बेटी और प्रतिभा किरण योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश के कॉलेजों में पढ़ रहीं छात्राओं को प्रोत्साहन राशि देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रतिभा किरण और गांव की बेटी योजना में पंजीयन करने के लिए पोर्टल खोल दिया है।

अब छात्राएं दोनों में से एक योजना में 500-500 रुपये प्रतिमाह लेने के लिए पंजीयन करा सकेंगी। पोर्टल फरवरी तक खुला रहेगा, इसमें पूर्व छात्राओं का नवीनीकरण किया जाएगा और वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वालीं छात्राओं के नवीन पंजीयन होंगे।बता दें, गांव की बेटी योजना के लिए ग्रामीण छात्रा को ग्रामीण निवासी होना अनिवार्य है। वहीं 12वीं में 60 फीसद अंक होने के साथ उसका गरीबी रेखा के नीचे होना जरूरी है। इसके बाद विभाग उसे साल के 10 महीने 500-500 रुपये देगा।

वहीं प्रतिभा किरण योजना के लिए शहरी क्षेत्र की छात्राओं को 12वीं में 60 फीसद अंक लाना अनिवार्य है। उसे भी 10 महीने तक 500-500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। दोनों ही योजनाओं की लाभार्थी छात्राएं प्रदेश के किसी भी निजी या सरकारी कॉलेज में प्रवेश ले सकती हैं।

किसान को खेत में आराम फरमाता मिला टाइगर, दहाड़ते ही जान बचाकर भागे

बालाघाट। बालाघाट जिले के कटंगी थाना क्षेत्र के खैरलांजी गांव में करीब एक महीने से बाघिन की दहशत फैली हुई है। इसी बीच रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत कन्हारटोला गांव में शनिवार की सुबह से खेत में टाइगर दिखने के बाद गांव के लोग डरे हुए हैं।

टाइगर की सूचना मिलने के बाद पुलिस बल व वन अमला का भी मौके पर पहुंच गया है। ग्रामीणों को टाइगर से दूर रखने का प्रयास कर रहा है।सरसों के खेत में डाला डेरा जानकारी के अनुसार कन्हारटोला गांव के ग्रामीण जयसियाराम पटले के घर से महज 100 मीटर की दूरी पर ही उनका खेत है। खेत में सरसो की फसल लगी हुई हैं। शनिवार की सुबह घर के लोग तुवर तोड़ रहे थे।

इसी दौरान सरसो के खेत में उन्हें कोई वन्यप्राणी सोता दिखाई दिया, जिसे उन्होंने भगाने का प्रयास किया। टाइगर ने उठकर जमकर दहाड़ लगाई, तो वो जान बचाकर भागे। इसके बाद सरसों के खेत में टाइगर होने की खबर पूरे गांव सहित आसपास के क्षेत्र में फैल गई।

सरसों के खेत में डेरा जमाए टाइगर कभी सोता है तो कभी पूरे खेत भर घूम रहा है। सरसों की फसल की उंचाई अधिक होने से टाइगर घूमने पर ही दिखाई दे रहा है। इसको देखने के लिए कन्हारटोला के साथ ही अमई, झरिया, भजियादंड, रामपायली, रेगाझरी, लालपुर, उमड़वाड़ा सहित अन्य गांवों की ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई हैं।

कार ने 6 लोगों को मारी टक्कर, 2 की चली गई जान

जबलपुर । जबलपुर के विजयनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात को एक डॉक्टर की कार ने एसबीआई चौक पर कोहराम मचा दिया। तेज गति से आई कार ने सामने चल रही एक कार को तेज टक्कर मारा। उसके बाद लहराते हुए सड़क पर कई मीटर दूर तक गई।

कार ने छह राहगीरों को टक्कर मारा। इस घटनाक्रम से सड़क पर भगदड़ मच गई। दुर्घटना में घायल दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में माढ़ोताल बर्फानी नगर निवासी मुन्नी बाई और रवि शंकर शामिल हैं। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। आरोपित कार ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। दूसरी कार को टक्कर मार दीशुक्रवार को होम्योपैथी डॉक्टर संजय पटेल कार से कहीं जा रहे थे। उनकी कार की गति अधिक थी। वे एसबीआई चौक के पास पहुंचे ही थे कि कार अचानक अनियंत्रित हो गई। सड़क पर उनकी कार ने आगे चल रही एक अन्य कार को तेज टक्कर मार दी।टक्कर लगने से लोग कई फीट दूर गिरे

कार की गति अधिक होने के कारण कार टकराती हुए आगे बढ़ती चली गई। मौके से गुजर रहे रविशंकर दुबे, आनंद सिंह, दीपा शुक्ला, मुन्नी बाई, वैशाली नामदेव और मोहित शर्मा कार की चपेट में आकर घायल हो गए। तेज टक्कर लगाने से कई-कई फीट दूर जाकर गिरे। गंभीर रूप से घायल मुन्नी बाई और रवि शंकर की अस्पताल में मौत हो गई।

भागने के प्रयास में और लोगों को चपेट में लियाप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार को टक्कर मारने के बाद ड्राइवन ने वाहन को तेजी से चलाकर भागने का प्रयास किया।

यूनियन कार्बाइड के कचरे में सेविन और नेफ्थान, इसलिए वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करना जरूरी

भोपाल । यूनियन कार्बाइड कारखाने से पीथमपुर रामकी कंपनी भेजे गए 337 टन जहरीले कचरे में रेडियोधर्मी रसायन तो 40 साल में स्वतः खत्म हो गए हैं लेकिन सेविन, नेफ्थाल जैसे रसायन अब भी मौजूद हैं।

ऐसे में कचरे को वैज्ञानिक पद्धति से जलाना जरूरी है। पूर्व में हुए ट्रायल निष्पादन की रिपोर्ट के आधार पर ही सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय ने जलाकर नष्ट करने के आदेश दिए हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में रामकी एकमात्र ऐसी कंपनी है जहां औद्योगिक ईकाईयों से निकलने वाले रसायनिक, खतरनाक अपशिष्ट का प्रतिदिन निष्पादन किया जाता है। यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाने का निर्णय सही इसमें यूका का कचरा जलाने का निर्णय सही है। यह दावा पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे ने बातचीत में किया है। वह पर्यावरण के क्षेत्र में पिछ्ले कई वर्षों से काम कर रहे हैं और उनको आइसर द्वारा 2011 के लिए सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणविद घोषित किया जा चुका है। उन्होंने जल, मिट्टी, वायु आदि पर शोध भी किए हैं। सेविन और नेफ्थाल रसायन पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए उन्होंने बताया कि यूनियन कार्बाइड कारखाना से निकाला गया 337 टन जहरीले कचरे में मौजूद रेडियोधर्मी, विकिरण और अधिक सक्रिय रसायनिक पदार्थ स्वतः वाष्प बनकर नष्ट हो गए।

संयुक्त संचालक शिक्षण ने की परीक्षा परिणाम की समीक्षा

इंदौर। संयुक्त संचालक शिक्षण इंदौर संभाग के द्वारा आज इंदौर जिले के प्राचार्यो के साथ छः माही परीक्षा परिणामों की विद्यालयवार समीक्षा की गई और प्राचार्यो को परीक्षा परिणाम नहीं सुधरने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

संयुक्त संचालक श्री अरविन्द सिंह बघेल द्वारा विगत वर्ष के खराब परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों और इस सत्र के अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की समीक्षा की गई। जिन विद्यालयों के परीक्षा परिणाम में संतोषजनक सुधार नहीं पाया गया, उन्हें फटकार लगाई गई। संयुक्त संचालक द्वारा सभी प्राचार्यो को निर्देश दिये गये कि विद्यालय के परीक्षा परिणाम के सुधार के लिए कार्य योजना तैयार कर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि पूर्ण ऊर्जा और व्यवस्थित कार्य योजना बनाकर कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से परीक्षा परिणाम में सुधार आयेगा। संयुक्त संचालक ने विभागीय योजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि अपार आईडी और समेकित छात्रवृत्ति का कार्य संतोषजनक नहीं है। ये योजनाएं शासन की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग खंडवा द्वारा नंदीशाला योजना में शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त

इंदौर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग खंडवा ने अपनी वार्षिक प्रगति के विवरण में बताया है कि आचार्य विद्या सागर डेयरी योजना में 43 प्रतिशत, नंदी शाला योजना में शत प्रतिशत, समोन्नत मुर्राह पाड़ा योजना में शत प्रतिशत, बैंक ऋण एवं अनुदान योजना में शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई है। दूध, अंडा, मांस उत्पादन में भी उल्लेखनीय उपलब्धि मिली है। पशु पालकों की आय में भी वृद्धि हुई है। चलित पशु चिकित्सा इकाई भी कार्यरत है। पशु कृत्रिम गर्भधान में सोरटेड सीमन का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय पशु धन मिशन, बकरी पालन में भी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। पशुओं में रोग नियंत्रण हेतु टीकारण में 93.33 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त हुई है। पशुपालकों को घर पहुंच सुलभ पशु चिकित्सा सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसी प्रकार खंडवा जिले में दुग्ध संकलन 13 हजार 400 लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 16 हजार लीटर प्रतिदिन हो गया है।

इंदौर में बगैर दस्तावेज संचालित 03 वाहन जब्त

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इसी सिलसिले में आज इंदौर-देवास रूट की बसों की सघन चेकिंग की गई। जिसमें वाहनों के फ़िटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये गये। अभियान के तहत बसों में ओवर लोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है।। लोगों को अपने वाहनों पर ॥स्त्रक्ष नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, स्कूल वाहनों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 18 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। साथ ही बिना दस्तावेज के संचालित 02 स्कूली वाहन सहित कुल 03 वाहन जब्त किए गए। इस दौरान वाहनों से 49 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

इंदौर में यातायात को सुगम बनाने के लिये जोन 18 में की गई कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में इंदौर में यातायात को सुगम बनाने के लिये लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज राजस्व, पुलिस और नगर निगम के संयुक्त अमले द्वारा जोन 18 में अग्रसेन चौराहा से शंकरबाग होते हुए छावनी पुल तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। दुकानों के बाहर और फुटपाथ पर रखे सामान को हटाया गया। सड़क पर वाहन खड़े करने और यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई में 14 चालान बनाये गये तथा 33 हजार रूपये का जुर्माना वसूला गया। इस दौरान 5 टू व्हीलर वाहन जप्त भी किये गये। ट्रैफिक विभाग लगभग 19 वाहन चालकों को पार्किंग के लिये समझाईस भी दी गई। इसी तरह 11 दुकानदारों को दुकान के बाहर सामान नहीं रखने की समझाईस दी गई। यातायात सुगम बनाने हेतु कुछ जगह से अतिक्रमण भी हटाया गया।

अधिकारी और जनप्रतिनिधि जनसंवाद कार्यक्रमों में एक साथ बैठकर बनायेंगे विधानसभावार विजन डाक्युमेंट

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर संभाग के सभी अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे। इस जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से विधानसभा क्षेत्रवार विजन डाक्युमेंट बनाये जाएंगे। संभाग में जल जीवन मिशन के तहत अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। संभाग में राज्य शासन के निर्देशानुसार चलाये जा रहे राजस्व महा अभियान और जनकल्याण अभियान के लक्ष्य लगभग पूर्ण कर लिए गए हैं।

यह जानकारी आज यहां संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में वर्चुअली रूप से सम्पन्न हुई कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में दी गई। इस कॉन्फ्रेंस में इंदौर कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित संभाग के जिलों के कलेक्टर्स और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार बनाये जाने वाले विजन डॉक्यूमेंट 2047 की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ बैठकर जनसंवाद कार्यक्रम करें। इसके माध्यम से विधानसभा तथा जिलेवार विजन डाक्युमेंट बनायें। उन्होंने राजस्व महा अभियान की प्रगति की भी जिलेवार समीक्षा की। इस अवसर पर बताया गया कि महा अभियान के लगभग सभी विषयों के लक्ष्यों को पूर्ण कर लिया गया है। जानकारी दी गई कि अभियान के तहत संभाग में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती तथा परम्परागत रास्तों के प्रकरणों के लक्ष्य लगभग पूर्ण हो गए हैं। संभाग में नामांतरण के 10 हजार 59, बंटवारे के 504, सीमांकन के 494, अभिलेख दुरुस्ती के 313, परम्परागत रास्तों के चिन्हांकन के 101 प्रकरण निराकृत किये गए है। इसी तहत नक्शे में बटांकन के एक लाख से अधिक, फार्मर रजिस्ट्री के 4 लाख 14 हजार और स्वामित्व योजना के 3 हजार 557 प्रकरण निराकृत किये गए हैं। संभाग में 70 वर्ष और इससे अधिक आयु के बुजुर्गो के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के कार्य की प्रगति की समीक्षा भी की गई। इस अवसर पर बताया गया कि संभाग में 70 हजार 857 आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि शेष लक्ष्य भी अतिशीघ्र पूरे किये जाएं। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि संभाग में मिशन के तहत 4 हजार 94 गांवों में जल परियोजना स्वीकृत की गई थी। इसमें से 4 हजार 81 गांवों में कार्य प्रारंभ कर दिये गए। इनमें से 3 हजार 40 गांवों में कार्य पूरा हो गया है। श्री सिंह ने कहा कि शेष गांवों में अभियान चलाकर कार्य जारी वित्तीय वर्ष के पूर्व पूर्ण किये जाएं। योजना के क्रियान्वयन में किसी भी तरह की लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही तथा उदासीनता बरतने पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्ण योजना ग्राम पंचायतों को शीघ्र अंतरित कर दी जाए। उन्होंने कहा कि जनकल्याण अभियान के तहत लक्ष्य के अनुसार लोक कल्याण शिविरों का आयोजन हो और प्राप्त आवेदन पत्रों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाए। अगर किसी कारणवश आवेदन अस्वीकृत करना पड़े तो उसकी समीक्षा भी की जाए। जनकल्याण अभियान के लक्ष्य 26 जनवरी के पहले ही पूर्ण करने के प्रयास किये जाए।

उन्होंने सुशासन अभियान चलो गांव की ओर प्रगति की भी समीक्षा की। धरती आबा योजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति के सभी पात्र व्यक्तियों को आधार कार्ड उपलब्ध कराने, समग्र आईडी बनाने, आयुष्मान कार्ड बनाने, जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने और प्रोफाइल पंजीयन करने के निर्देश भी दिए।

ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा 06 मार्गो तथा 05 ब्रिजों का निर्माण कार्य पूर्ण

इंदौर। मध्यप्रदेश विकास प्राधिकरण परियोजना क्रियान्वयन इकाई इंदौर द्वारा बीते वर्ष की ग्रामीण सड़क उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया गया है कि 6 मार्गो व 5 ब्रिजों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। कुल 20 किलोमीटर लंबाई का कार्य पूरा किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-2025 में अभी तक 2232 लाख रुपये का कार्य कराये गये हैं। 55 किलोमीटर सड़क लम्बाई पर डामरीकरण कार्य भी पूर्ण किया गया है। इस वर्ष उन्नयनीकरण अंतर्गत 01 ब्रिज की स्वीकृति प्राप्त हुई है। संधारण कार्य के अंतर्गत 4 मार्गो की प्रशासकीय स्वीकृति के साथ 01 मार्ग की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त हुई है।

एक दिवसीय रोजगार मेला 6 जनवरी को

इंदौर। इंदौर जिले के बेरोजगार आवेदकों को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय (युवा संगम) रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रोजगार मेले का आयोजन 06 जनवरी 2025 सोमवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दानगर इन्दौर में किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर के साथ-साथ व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे-इन्दौर स्टील, विशाल फेब, बतरंग, मोजेक वर्क स्कील, अल्ट्राज टेक्नोलॉज, पटेल मोटर्स, नवशक्ति बॉयो कॅयर, उर्जा टेक सर्विसेस, आई0एफ0एफ0 ओवरसिज, बी-एबल आदि कम्पनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कम्पनियों द्वारा लगभग 300 से अधिक विभिन्न पदों जैसे सेल्स एक्जिकिटीव, टेलीकॉलर, पैकिंग, सेल्स, टीमलिडर, ड्राइवर, बैकआफिस, हेल्पर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, टेलर, सुरक्षा गार्ड आदि पदों हेतु आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे ।

इंदौर सहकारी दुग्ध संघ की महत्वपूर्ण उपलब्धि

इंदौर। मालवा में दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी संस्था इंदौर सहकारी दुग्ध संघ को नागपुर में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ डेयरी संयंत्र पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। एक साल की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए दुग्ध संघ के सीईओ श्री दीपक शर्मा ने बताया है कि इंडियन डेयरी एसोसिएशन (पश्चिम क्षेत्र) द्वारा नागपुर (महाराष्ट्र) में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग श्री नितिन गडकरी एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड आणन्द के अध्यक्ष डॉ. मिनेश शाह द्वारा इंदौर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित इंदौर को सर्वश्रेष्ठ डेयरी संयंत्र पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, जो कि गौरव की बात है। दुग्ध उत्पादक सदस्यों के लिए सांची दुग्ध उत्पादक चिकित्सा सहायता योजना, दुग्ध उत्पादक सहायता अनुग्रह रांची योजना, साँची जननी सुरक्षा योजना, दुग्ध समिति कर्मचारी मृत्यु सहायता राशि योजना, मेधावी छात्र-छात्रा पुरस्कार भोजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन, चाराबीज अनुदान योजना, पशु मॉश डिवर्मिंग योजना, एसबीआई पशु उत्प्रेरणा मुद्रा ऋण योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, बछिया पालन प्रोत्साहन योजना, दुग्ध उत्पादक सदस्य कृषक भ्रमण योजना, पशु स्वास्थ्य रक्षक प्रशिक्षण योजना का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इंदौर सहकारी दुग्ध संघ संयंत्र परिसर में 76 करोड़ रुपए की लागत से 30 मैट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के दुग्ध संयंत्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें 3 लाख लीटर दूध से एक्सपोर्ट क्वालिटी का दूध चूर्ण तैयार किया जा सकेगा।

अन्य सहकारी दुग्ध संघों के अतिशेष दूध का दुग्ध पूर्ण भी तैयार किया जा सकेगा। इससे अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा 30 करोड़ रुपये का ऋण कम ब्याज पर उपलब्ध कराया गया है।

इसी प्रकार सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार पायलट प्रोजेक्ट का इंदौर दुग्ध संघ द्वारा समय सीमा में सफल क्रियान्वयन किया गया है। इस योजना के अंतर्गत इंदौर दुग्ध संघ द्वारा कार्यक्षेत्र के जिला इंदौर में 38 ग्राम पंचायतों का चयन कर, इनमें दुग्ध सहकारी समितियों का गठन एवं पंजीयन उपरांत सफलतापूर्वक निर्धारित समयावधि में दुग्ध संकलन प्रारंभ किया गया है।

जल संसाधन संभाग इंदौर द्वारा 670 लाख रुपये की लागत से 2 सिंचाई तालाब निर्मित

इंदौर। जल संसाधन संभाग इंदौर द्वारा बीते वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया गया कि दो महत्वपूर्ण सिंचाई तालाब निर्मित हो गये हैं। कुछ योजनाएं जो निर्माणाधीन हैं, उन्हें धन-राशि की प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई है। मांगलिया बैराज तालाब योजना के अंतर्गत सांवेर तहसील में जो सिंचाई तालाब निर्मित हुआ है, उसकी लागत 336.81 लाख रुपये है। गोकल्या कुंड तालाब योजना के अंतर्गत महू तहसील में जो सिंचाई तालाब निर्मित हुआ है, उसकी लागत 332.77 लाख रुपये है। कुल योग लागत 670 लाख रुपये है। निर्माणाधीन योजनाओं की जानकारी देते हुए आगे बताया गया है कि इंदौर संभाग में बेका तालाब के लिये 1270.08 लाख रुपये, फरसपुर बैराज के लिये 199.52 लाख रुपये, चिमली बैराज के लिये 265.33 लाख रुपये, केशरीपुरा घाट के लिये 81.76 लाख रुपये, हंसाखेड़ी घाट के लिये 82.46 लाख रुपये, सिमरोद घाट के लिये 62.10 लाख रुपये, कलारिया घाट के लिये 236.46 लाख रुपये, चार घाट के लिये 32.17 लाख रुपये, सोलसिद्धि घाट के लिये 83.84 लाख रुपये, केवड़ेश्वर घाट के लिये 494.87 लाख रुपये, खामोद आंजना घाट के लिये 124.89 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है।

अवन्तिकायाम विहिव्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

सिंहस्थ के तहत जो भी निर्माण कार्य किए जाने हैं उन्हें गूगल मेप पर टेग किया जाए

प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की

उज्जैन । शनिवार को मध्यप्रदेश शासन के नगरीय आवास एवं विकास प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला ने प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने पॉवरपॉइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से सिंहस्थ में होने वाले प्रस्तावित व प्रचलित नगर विकास कार्यों और स्वीकृत निर्माण कार्यों की जानकारी दी तथा जिन विभागों के अंतर्गत निर्माण कार्य किए जाने हैं उनके बारे में विस्तार से बताया। श्री शुक्ला ने बैठक में निर्देश दिए कि ऐसे निर्माण कार्य जिनमें स्वीकृति प्राप्त हो गई है उनकी सूची अलग से बनाई जाए। सिंहस्थ के निर्माण कार्यों में समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण कार्यों की अलग-

अलग कैटेगरी बनाई जाए।

जो भी निर्माण कार्य किए जाने हैं उन्हें गूगल मेप पर टेग अवश्य किया जाए। प्रमुख सचिव के द्वारा सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत बनाए जाने वाले मार्ग, पार्किंग, पुराने मार्गों का चौड़ीकरण, आरओबी, ब्रिज, रेलवे लाईन आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ का नियंत्रण कक्ष ऐसे स्थान पर बनाया जाए जहां अधिक घनत्व न हो। सिंहस्थ महापर्व की उचित ब्रांडिंग की जाए। इसका अधिक से अधिक सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि युवा वर्ग इससे अधिक से अधिक जुड़ सके। प्रमुख सचिव के द्वारा पीडब्ल्यूडी, पीआईयू, हाउसिंग बोर्ड, यूडीए, स्मार्ट सिटी, नगर निगम के अंतर्गत निर्मित होने वाले कार्यों और परियोजनाओं के बारे में समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि यूनिटी मॉल का निर्माण तेज गति से किया जाए। इसके अतिरिक्त जिन कार्यों में औपचारिकताएं शेष है तथा शासन से जो अपेक्षाएं है उनके बारे में पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाए।

बैठक में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, सीईओ स्मार्ट सिटी श्री संदीप शिवा, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

विश्व के चार प्रभावशाली देशों के जिम्मेदारों को बाबा उमाकान्त जी महाराज का विशेष सन्देश

उज्जैन। देश-दुनियां में चल रहे युद्ध और गृहयुद्ध की विभीषिका के बीच विश्व शांति और सुरक्षा के लिए नव वर्ष पर सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने विश्व के प्रभावशाली राजनेताओं और धर्म प्रमुखों को विशेष सन्देश देते हुए कहा की देश-दुनियां में चल रहे युद्धों को रोको। जो धार्मिक नेता इस समय मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं, अपना नाम करने के लिए कि हमको लोग नेता मान लेंगे, धार्मिक भावना में हम मंत्री मिनिस्टर बन जाएंगे, यह जो धर्म युद्ध कराने में लगे हुए हैं, विश्व युद्ध कराने में लगे हुए हैं, ऐसे नेताओं से प्रार्थना है कि युद्ध को टालो। विश्व युद्ध की संभावना बन रही है।

अमेरिका, रूस, चीन और भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति से बाबा उमाकान्त जी महाराज की विशेष प्रार्थना विश्व के सभी देश एक साथ ना आ सकें तो ये जो चार प्रभावशाली देश जैसे अमेरिका, रूस, चीन और भारत देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति जो इस समय पर विश्व में प्रमुख हैं, ये अगर इकट्ठा हो जायें तो यही इतिहास बना सकते हैं। बाबा जी की प्रार्थना है, आप चारों एक जगह बैठ जाओ।

किस तरीके से ये युद्ध रुक सकता है ?

विश्व शांति की प्रार्थना करते हुए महाराज जी ने बताया कि ज्यादातर लड़ाइयां ज़र, ज़मीन और जोरू के पीछे ही हुई हैं। कुछ जमीन, नदी, नाले विश्व में इस तरह के भी हैं कि पता नहीं है की कहां तक हैं ? इसलिए यदि उसका माप करा लिया जाए, अंदाजा लगा लिया जाए और फिर समझौता कर लिया जाए तब युद्ध नहीं होगा। युद्ध के जितने भी हथियार बना लिए गए हैं, यह सब नष्ट कर दिए जाएं। अगर यह भाव भर दिया जाए की मालिक सबका एक है, प्रभु सबका एक है, उसने जो बनाया है, उस नियम को पकड़ लो, मानव धर्म का पालन कर लो तो बात बन सकती है।

उज्जैन में हुआ हाथकरघा पर निर्मित कोसा एवं कॉटन वस्त्रों की भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ

उज्जैन। छ.ग. शासन ग्रामोद्योग विभाग, संचालक ग्रामोद्योग हाथकरघा के सौजन्य से, जिला हाथकरघा कार्यालय बलौदाबाजार के माध्यम से, उज्जैन के अंबेडकर मंगल भवन, फीगंज माधवनगर में छ.ग. के कोसा एवं कॉटन हाथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी का शुभारंभ 3 जनवरी को किया गया है। भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन निगम सभापति कलावती यादव द्वारा दीप प्रज्वलन करके शुभारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर पूर्व पार्षद नगर निगम जोन अध्यक्ष राजकमल ललावत, महाकाल शयन आरती भक्त मंडल अध्यक्ष महेंद्र कटियार, महेश राठौर, प्रबोध शास्त्री, हाथ ग्रह संचालक बीके सेंधवा सहित शहर के गणमान्य नागरिकों के द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

विद्यार्थियों ने जाना कृषि कार्य में स्कोप, किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय की कृषि विज्ञान अध्ययन शाला के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव प्रोग्राम के अंतर्गत ग्राम उज्जैनिया का भ्रमण किया। यहां छात्र-छात्राओं, किसानों को कृषि और एग्रीकल्चर में आगे रोजगार और कृषि विज्ञान जागरूकता पर सचेत कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों को आगे कृषि क्षेत्र में स्कोप, नौकरी आदि व ग्राम वासियों को कृषि से संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में किसानों को बताया गया। इस मौके पर विक्रम यूनिवर्सिटी कृषि अध्यन साला की छात्राएँ भूमिका थापा, कनक बैरागी व छात्र चेतन सिंह राजपुत, आलोक सिंह राजपुत, ज्ञान सिंह राजपुत, महेंद्र सिंह राजपुत, ओम पाटीदार, विशाल भाटी, लक्की राज, अमन पटेल, अंकित भगेल, नमन भाटी, आयुष चौहान, सुनील जाट, अथर्व सीकरवार, रेहमत पाल सहित अन्य छात्र उपस्थित थे।

महाकाल की नगरी में देश भर के ख्यात ज्योतिषाचार्यों, वास्तुविदों का समागम

उज्जैन। ज्योतिष और वास्तु सनातन संस्कृति में हजारों वर्ष से हमारे मार्गदर्शन सहायक रहे है। आज के भौतिकवादी दौर में हमने इसे दूर कर दिया है, इसके महत्व को जानकर विकास पथ पर अग्रसर होने में महत्वपूर्ण भूमिका और अवसर मिलने की अपार संभावनाएं बनती हैं। बस जरूरत इतनी है कि हम समय और परिस्थिति को भाप कर ज्योतिष और वास्तु का मार्गदर्शन प्राप्त करें।

यह विचार बाबा महाकाल की नगरी में मां शारदा ज्योतिष धाम अनुसंधान संस्थान के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष वास्तु आयुर्वेद महासम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने व्यक्त किया। आयोजक पंडित दिनेश गुरुजी एवं अध्यक्षता कर रहे विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व राज्य मंत्री दर्जा मध्य प्रदेश सरकार पं. योगेंद्र महंत ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों, प्रमुख शहरों से 325 से ज्यादा ज्योतिष एवं वास्तु के जानकार विशेषज्ञों की सहभागिता इस दो दिवसीय आयोजन उज्जैन के श्री राजाराम होटल रिसॉर्ट में हो रही है।

भारतीय अंक गणित व ज्योतिष विश्व में सर्वश्रेष्ठ

शनिवार को इस दिव्य आयोजन के मुख्य अतिथि विक्रम यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अर्पण भारद्वाज ने कार्यक्रम की प्रथम बेला में आयोजन को बहुत ही लोक उपयोगी बताते हुए आयोजकों की प्रशंसा की है। डॉ भारद्वाज ने कहा कि हजारों वर्षों से भारतीय वास्तु शास्त्र, अंक शास्त्र ज्योतिष की गणना चौंकाने वाली रही है आज भी घटित होने वाली घटनाओं की जानकारियां किसी पुरातन पुस्तक या धर्म ग्रंथ में से मिल जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व ब्राह्मण समाज संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व राज्य मंत्री दर्जा मध्य प्रदेश सरकार पं. योगेंद्र महंत ने कहा कि हमारी संस्कृति और संस्कारों से खिलवाड़ हो रहा है हमें समझना होगा और संस्कृति को बचाने के साथ ही नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ना होगा तब जाकर हम स्वस्थ और स्वच्छ समाज का निर्माण कर पाएंगे, राष्ट्र निर्माण में नई पीढ़ी को सकारात्मक भाव के साथ जोड़ना है तो माता-पिता का सम्मान करना होगा। हमें अपने बुजुर्गों की धरोहर को बचाना है और राष्ट्र के प्रति समर्पित होना है तो संयुक्त परिवार के महत्व को भी समझना होगा। पं. योगेंद्र महंत ने यह भी कहा कि एक तिथि एक वार एक दिन आना चाहिए। आजकल पंचांग में अक्सर एक तिथि को 2 दिन दर्शाया जाता है इस पर आमजन में भ्रम की स्थिति रहती है सभी पंचांगों और इन संस्थाओं को एक जुट होकर इस पर विचार करना चाहिए।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में ठहाका सम्मेलन में बनेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड

उज्जैन। अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन इस वर्ष अपनी गौरवशाली रजत जयंती (25 वर्ष) मना रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर ठहाका सम्मेलन का आयोजन 6 जनवरी से 11 जनवरी तक उज्जैन के कालिदास अकादमी में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। आयोजन में छह दिन तक कला, साहित्य और संस्कृति के विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

ठहाका सम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर उन्हें मुख्य आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जो प्रारंभ से ही इस सम्मेलन से जुड़े हुए हैं और संस्था के संरक्षक भी हैं, ने 11 जनवरी को आयोजन में शामिल होने की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में डॉ. महेन्द्र यादव के साथ अन्य महत्वपूर्ण सदस्य सर्वश्री हरिसिंह यादव, ललित लुल्ला, नवीन यादव, राहुल प्रजापति, रितिक यादव, राजेन्द्र शाह, विजय तिवारी, आशीष खंडेलवाल, मनोहर परमार, सूरज यादव, उज्वल यादव शामिल थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com